[Dr. R. K. Poddar]

essential imports needed for **research** activities with their banks while opening Letter of Credit.

Sometime ago, in response to the representations from the scientific community, the Central Government introduced Foreign Exchange Passbook system for **our** Universities and Research Institutes **by** which they are entitled to import equipment and chemicals for research upto a certain specified amount in any particular year. This arrangement has been of great advantage because now a particular University or a Research Institute does not 'have to pass through innumerable bureaucratic hassles for import of each and every item. On behalf of our scientific community and in the interest of smooth conduct of advanced research work in our country, I urge upon the Union Government to issue immediate instructions to the relevant authority to exempt our Universities and Research Institutes which have been granted foreign exchange passbooks from the requirement of depositing 200 per cent margin money with their banks for their imports.

Finally, I would also request the Government to extend similar special facilities to the libraries of such institutions for the import of advanced text books and specialised research journals.

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : मैं भी अपने आप को इसके साथ एस्सोसियेट करता हूं।

Likely Closure of Schools in Tribal areas of Madhya Pradesh due to lack of Funds

SHRI SHIV PRATAP MISHRA (Uttar Pradesh): The education of tribals in the country is necessary to uplift them from centuries of backwardness. Government efforts to educate the tribals are not enough. These have to be supplemented by the works of voluntary organisations. Non-governmental organisations run by dedicated social workers who go **deep** inside the tribal areas do a **pioneering work. These need funds. Government** aid **to** carry on their work. But very often these become victims of bureaucratic delay in releasing funds. In this connection, I draw the attention of the Government to the difficulty faced by the Mata Rukmini Sewa Sansthan, a Gandhian voluntary organisation, named after foe mother of Acharya Vinoba Bhave who was a freedom fighter and dedicated his life to the freedom struggle of India arid also propagated the ideal of educating tribals, Scheduled Castes and backward people in the country.

His ideal was through education an individual gets freedom from economic slavery. For this he had also started in Madhya Pradesh a multi-vocational institute so that the people after education may get jobs.

I would like to reiterate that Mata Rukmini Sewa Sansthan which is a voluntary Gandhian organisation, is running several schools in tribal areas of Madhya Pradesh Acharya Bhave was himself associated with this. The Government of Madhya Pradesh has not released the grant in time, as a result of which this organisation is facing crisis. I would urge uPon the Government to take up the matter with the State Government to have the funds released to avoid the provocation of Naxalites in South Bastar. This 14-year old Sansthan which received prestigious awards from the Government earlier for child welfare activities, that is, feeding and educating 2,000-odd students, and is maintaining a staff of 300. should be provided the required grant of Rs. 90 lakhs as told by Shrimati Nirmala Deshpande who is associated with this Sansthan. Mr. Vice-Chairman, I would like to request you that you should direct the Madhya Pradesh Government to release the funds and facilitate the working of the Sansthan.

Thank you very much.

Demand for arrest of a beef supplier of Sahibabad

कुमारी आलिया (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान गाजियाबाद की अरिहन्त मारवाहा फैक्ट्री की तरफ दिलाना चाहती हूं।

फैक्ट्री की मालिक श्रीमती प्रोमिला मारवाह हैं। साहिबाबाद गाजियाबाद की इस फैक्ट्री में बड़े पैमाने पर गाय का गोश्त काटा जाता है तथा बाहर एक्सपोर्ट किया जाता है। पुलिस ने फैक्ट्री में काम करने वाले गरीब मजदूरों और अक्लियत समुदाय के कुछ लोगों को फर्जी मुकदमों में फंसा-फंसा कर गिरफ्तार कर लिया है जबकि फैक्ट्री की मालकिन श्रीमती प्रोमिला मारवाह द्वारा खुलेआम गाय के गोश्त पर भैंस के गोश्त की मोहर लगवाकर उसको विदेशों में भेजा जाता है। मुझे बड़ा अफसोस है कि इस तरह से गौ हत्या करके अक्लियत के लोगों को फंसाकर, उनके ऊपर मुकदमें कायम किये जाते हैं। इसकी जांच होनी चाहिए क्योंकि प्रोमिला मारवाह का ताल्लुक उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी से है और उसमें बहुत से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भी इन्वाल्वड हैं जिनका नाम मैं आपके सामने पेश करना चाहती हूं। गिरफ्तार होने वालों में श्री नन्हें, अच्छन अशरफ और नाजिर हैं। इनको गिरफ्तार किया गया लेकिन फैक्ट्री की मालकिन को गिरफ्तार नहीं किया गया क्योंकि वे हर महीने लिक रोड थाने को काफी रकम देती हैं और उनकी पहुंच भारतीय जनता पार्टी तक है। इसलिए उनको छोड़ दिया गया। बी०जे०पी० के जबर्दस्त कारकून म्युनिसिपल बोर्ड के चेयरमैन जिनका नाम विश्व बंधु गुप्ता है, म्युनिसिपल बोर्ड के मैम्बर रमेश चन्द्र जैन, ललित प्रसाद यादव और फकीर चन्द जैन, लाला राम भरोसे वगैरह . . . (व्यवधान)

SHRI PRAMOD MAHAJAN (Maharashtra) : How can she allege that anybody. . . *(Interruptions).*

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : इसको एक्सपंज करें। We can't take it **like** that.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: What is this?

कुमारी आलिया : वाइस चेयरमैन साहब मैं आपको बताती हूं कि यह सब 26 जून के "नई दुनियां" में है . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): You can find out the **actual** position.

SHRI PRAMOD MAHAJAN; **What** actual position? Special Mention is **not to** defame another political party.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : यह कैसे हो सकता है कि जो लोग हाउस में नहीं हैं उनके नाम लिए जायें। यह गलत है।

No, I raise my objection. .. *{Interrup' tions)...*

SHR PRAMOD MAHAJAN: **Why** don't you hear? ... *(Interruptions)* ...

SHRI JAGDISH PRASAD **MATHUR:** Mr. Vice-Chairman, you are being* ... *(Interruptions)...*

कुमारी आलिया : यह न्यूज पेपर में है। छपा हुआ है।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : नियम यह है कि यदि किसी पर एलीगेशन लगाना है तो विद परमिशन होना चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): You please conclude now.

कुमारी आलिया : अखबार में छपा है।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : अखबार में कहीं छपने का कोई सवाल नहीं है। अखबार तो 50 आदमियों के नाम दे सकते हैं . . . (व्यवधान) कायदा यह है, कानून यह है कि कोई इस प्रकार से नाम नहीं ले सकता है।

कुमारी आलिया : आप गलत बोल रहे हैं।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप गलत बोल रही हैं।

कुमारी आलिया : हिंदुस्तान टाइम्स में लिखा हुआ है।

* Expunged as ordered by the Chair.

श्री प्रमोद महाजन : शिव शंकर जी है पूछिए कि हिंदुस्तान टाइम्स क्या लिखता से । आप बड़ा हिंदुस्तान टाइम्स का सर्टिफिकेट लेकर बता रही हैं ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : महोदय, यह मैं आपसे पूछता हूं कि आप कैसे एलाउ कर रहे हैं । यह नियम के खिलाफ है । आप कैसे एलाउ कर रहे हैं । आप परमिट कैसे कर रहे हैं ।

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka) : You cannot threaten the Chair; you cannot dictate.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: I have got an objection. I am on a serious point of order.

उपसभाध्यक्ष (श्री एम० ए० बेबी) : आप बैठिये ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : नियम यह है कि यदि किसी का नाम लेकर एलीगेशन लगाया जाएगा तो उसकी परमिशन ली जाएगी । मेरी पार्टी के कई लोगों के नाम इन्होंने लिए हैं जिसका कोई आधार नहीं है । अखबार के आधार पर किसी जिम्मेदार व्यक्ति को बदनाम करना गलत है । इसलिए मेरी रिक्वेस्ट है कि आप रुलिंग दीजिए और उन्होंने जितने नाम लिए हैं वे एक्सपंज किए जायें ।

THE VICE-CHAIRMAN **(SHRI M.** A. BABY): Now you please conclude. Don't refer to any names. Your time is also up.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN (Madhya Pradesh): She is dragging **the** name of our party unnecessarily....... *(Interruptions)...*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): Don't refer to any names. Now you conclude.

कुमारी आलिया : न्यूजपेपर में जो न्यूज छपी है . . . **(व्यवधान)**

†[کماری عالیہ : نیوز پیپر میں جو نیوز چھپی ہے . . (مداخلت) . .]

SHRI H. HANUMANTHAPPA: Is naming of a party also irrelevant should not even a party's name be taken?

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : हम देख रहे हैं कि रोजाना यहां पर गलत ढंग से बातें की जाती हैं । . . . (व्यवधान)

कुमारी आलिया : गाजियाबाद के लिंक रोड थाने की पुलिस ने प्रमिला मारवाह अरिहंत पर छापा मारा और तकरीबन डेढ़ सौ गायों का दूध जब्त किया । इसका रिकार्ड भी मौजूद है । इसके बावजूद भी आप इस तरह से बोल रहे हैं कि यह गलत है । यह गलत नहीं है । (व्यवधान)

†[کماری عالیہ : غازی آباد کے لنک روڈ تھانے کی پولیس نے پرامیلا مارواہ اریہنت پر چھاپہ مارا اور تقریباً ڈیڑھ سو گایوں کا دودھ ضبط کیا - اسکا ریکارڈ بھی موجود ہے - اسکے باوجود بھی آپ اس طرح سے بول رہے ہیں کہ یہ غلط ہے - یہ غلط نہیں ہے - . . . . (مداخلت) . . . .

श्री प्रमोद महाजन : जो सरकार छापा मार रही है, वह उत्तर प्रदेश की सरकार भारतीय जनता पार्टी की है और आरोप भी हम पर हो रहे हैं । छापा भी हमीं मार रहे हैं और सुरक्षा भी हमीं कर रहे हैं । मैं तो यह समझ नहीं पाता ।

अगर हम सुरक्षा कर रहे हैं, तो छापा क्यों मार रहे हैं और छापा मार रहे हैं, तो सुरक्षा कैसे कर रहे हैं ? दोनों चीजें हम ही कर रहे हैं ।

t[ ] Transliteration in **Arabic Script.**

उपसभाध्यक्ष (श्री एम०ए० बेबी) : कुमारी आलिया, आप कन्कलूड करिए । आपका टाइम भी खत्म हो गया है।

कुमारी आलिया : सर, ऐसा है कि यह बहुत ही इंपार्टेन्ट मैटर है । तमाम उन लोगों को, मजदूरों को गिरफ्तार किया गया है जो इसमें इन्वाल्वड नहीं है । जो यह काम कर रहे हैं, उनको छोड़ दिया गया है क्योंकि उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पुलिस पर सब कुछ छोड़ दिया है और उनको गिरफ्तार नहीं किया है। मजदूरों को गिरफ्तार किया है, अकलियत समुदाय के लोगों को गिरफ्तार किया है।

वाईस-चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहती हूं कि इसकी जांच हो और उन मजलूमों को छोड़ा जाए । उन मजदूरों, गरीबों को छोड़ा जाए, जो बेगुनाह हैं और उस मुलजिम को गिरफ्तार किया जाए, जो इस तरह का धंधा कर रही है ।... (व्यवधान)

†[کماری عالیہ : سر ایسا ہے کہ یہ بہت امپارٹنٹ میٹر ہے - تمام ان لوگوں مزدوروں کو گرفتار کیا گیا ہے - جو اسمیں انوالوو نہیں ہیں - جو یہ کام کر رہے ہیں - انکو چھوڑ دیا گیا ہے کیونکہ اتر پردیش کی بھارتیہ جنتا پارٹی کی سرکار نے پولیس پر سب کچھ چھوڑ دیا ہے اور انکو گرفتار نہیں کیا ہے - مزدوروں کو گرفتار کیا ہے - اقلیت سمودائے کے لوگوں کو گرفتار کیا ہے -

وائس چیرمین صاحب - میں آپ کے مادھیم سے یہ کہنا چاہتی ہوں کہ اسکی جانچ ہو اور مظلوموں کو چھوڑا جائے - ان مزدوروں کو - غریبوں کو چھوڑا جائے جو بے گناہ ہیں اور اس ملزم کو گرفتار کیا جائے جو اس طرح کا دھندہ کر رہی ہے - .... (مداخلت) ....]

श्री प्रमोद महाजन : सरकार इसकी जांच करे ... (व्यवधान)

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : वह जो गुंडे जो आपने पैदा किये थे, वही गिरफ्तार किये जा रहे हैं। ... (व्यवधान)

Need to give proper representation to Members of SC/ST and Minority Communities in Selection Committees/ Boards of BCCL in District **Dhanbad, Bihar**

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : (उत्तर प्रदेश) : मि० वाईस-चेयरमैन, सर–

वतन की जो हालत सुनाने लगेंगे, तो
पत्थर भी आंसू बहाने लगेंगे।

और अगर भीड़ में खो गया सेक्युलरिज्म,
उसे ढूंढने में जमाने लगेंगे।

वाईस चेयरमैन साहब, मैं आपके जरिए हुकूमते हिंद का ध्यान सूबा बिहार के जिल धनबाद के बी०सी०सी०एल० के सिलेक्शन बोर्ड के कानून की कानून-शिकनी की तरफ दिलाना चाहता हूं।

श्रीमान, हुकूमते हिंद ने 1988 में एक कानून के तहत उस वक्त के जनरल मैनेजर, मि० आर०जी० सिंह ने 22 दिसम्बर, 1988 को तमाम सी०एम०डीज़० को सर्कुलर भेजा था, जिसमें कहा गया था कि मुल्क की मुख्तलिफ पोस्टस पर एक्जीक्यूटिव और नान-एक्जीक्यूटिव काडर में एक माइनार्टी का नुमाइंदा होना जरूरी है।

इस आर्डर पर, श्रीमान, 1990 तक तो अमल होता रहा, मगर उसके बाद से अब तक की जो मुझे जानकारी मिली है, वह यह है कि 1990 के बाद सिलेक्शन बोर्ड में माइनार्टी का नुमाइंदा नहीं बुलाया गया और मुसलमानों के साथ नाइन्साफी करके कानून-शिकनी की गई। जो अफसरान मुल्क का कानून सिर्फ जात बिरादरी के फिरकेवाराना जज्बात के तहत तोड़ने का काम करते हैं, वह मुल्क के दुःखी लोगों के दुःख दर्द का क्या इलाज कर सकेंगे।

मुझे पता चला है कि बी०सी०सी०एल० के दो अफसरान, जिनमें एक का नाम मि० आर०के० नायर है, जो डिप्टी चीफ परसोनल मैनेजर (रेक्रूटमेंट) है और दूसरे जिनका

[ ] Transliteration in Arabic Script